केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, गाँव सिकन्दर खेड़ी, जिला कैथल (हरियाणा) में महिला किसान मेले का सफल आयोजन

केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल द्वारा गाँव सिकन्दर खेड़ी, जिला कैथल (हरियाणा) में महिला किसान मेला आयोजत किया गया। इस मेले में अन्तर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेहूँ सुधार केन्द, भारत का भी सहयोग रहा। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय डा. रमेश कुमार यादव, अध्यक्ष हरियाणा आयोग तथा विशिष्ठ अतिथि डा0 एस0के0 चौधरी, सहायक महा निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने किया तथा अध्यक्षता संस्थान के निदेशक, डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा द्वारा की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. रमेश कुमार यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को वैज्ञानिकों के परामर्श अनुसार खेती करनी चाहिये उन्होंने कहा कि महिलाओं को भी खेती के कार्यों में अधिक योगदान करना चाहिए इस से उनकी आय में वृद्धि होगी। किसानों को जैविक खेती को अपनाना चाहिये। गोबर को खेत में डालने से केंचओं की खाद स्वयं बन जाती है। केंचुए भूमि में काफी नीचे तक जाते हैं जिससे पौधों को सूक्ष्म पोषक तत्व मिलते हैं तथा जल की भी बचत होती है। किसानों को पुराली को जलाने की बजाए कम्पोस्ट खाद बनाने में उपयोग करना चाहिये इससे खेती में लागत कम आती है और उत्पादन बढ़ता है साथ में मिट्टी की दशा का भी सुधरती है।

विशिष्ट अतिथि ने अपने सम्बोधन में किसानों से आह्वान किया कि वह संस्थान द्वारा विकसित प्रौधोगिकियों का अधिक से अधिक उपयोग वैज्ञानिकों के परामर्श से करें। इन प्रौधोगिकीयों के प्रयोग से कृषि की लागत कम हो जाती है तथा फसल का उत्पादन बढ़ जाता है। उन्होंने किसानों को गोबर व हरी खाद का प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने खेती के साथ–साथ पशुपालन, मुर्गीपालन, फल उत्पादन, मछली उत्पादन करने की सलाह दी।

डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने कहा कि भारत सरकार सन् 2022 तक किसानों की आमदनी दुगनी करने हेतु प्रयास कर रही है। इस लक्ष्य को पूरा करने कं लिए संस्थान ने भी विभ्न्नि योजनाएं बनाई हैं जिनको शीघ्रता से कार्यरूप दिया जा रहा है तथा जल्द ही इन योजनाओं के सफल परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होने किसानों से आह्वान किया कि संस्थान द्वारा विकसित प्रौधोगिकियों का उपयोग करें। इन प्रौधोगिकियों के प्रयोग से कृषि की लागत कम हो जाती है तथा फसल का उत्पादन बढ़ जाता है। वे किसानों को लवणग्रस्त भूमियों के लिये धान, गेहूँ व सरसों की अधिक फसल देने वाली प्रजातियों का उपयोग करना चाहिये इसके लिये हमने मेले में ही बीज उपलब्ध करवाए गए हैं बीजों को किसान तत्काल खरीद सकते हैं। उन्होंने महिलाओं की खेती में बढ़ती हई जागरूकता को देखकर संतोष व्यक्त करते हुये सरपंच श्रीमति दर्शना देवी व उनकी टीम को बघाई भी दी।

इस मेले में क्षारीय भूमियों में अच्छी पैदावार देने वाली संस्थान में विकसित गेहूँ की केआरएल 210, केआरएल–213, एचडी 2967, एवं सरसों की सीएस–54, सीएस–56 व सीएस–58 उन्नत एवं लवण सहनशील प्रजातियों के बीजों की बिक्री भी की गई। कृषि प्रदर्शनी व किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर वर महिला/पुरूष किसानो के लिए के लिये प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व लगभग 20 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। महिला कराटे खिलाड़ी सबीना, मोनिका व सलोनी को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डा. आर. के. यादव, डा डी. एस. बुन्देला, डा. एम. जे. कलेढोणकर, डा एस. के सनवाल, डा अनिल कुमार, श्री अभिषेक श्रीवास्तव, डा0 अनुमान सिंह, डा0 ए0के0 मिश्रा, डा0 डी.आर. छाबड़ा, श्री अनिल शर्मा, संस्थान के वैज्ञानिक व अधिकारीगण, सरपंच श्रीमति दर्शना देवी तथा कैथल, जीद, भिवानी व करनाल जिलों से आए 600 से अधिक महिला/पुरूष किसानों व प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया तथा नोडल अधिकारी डा.रंजय कुमार सिंह ने मंच संचालन किया।

ICAR-CSSRI, Karnal organized 'Mahila Kisan Mela' on 15th October, 2017

ICAR-Central Soil Salinity Research Institute, Karnal organized 'Mahila Kisan Mela' on 15th October, 2017 in Sikandar Kheri village of Kaithal district. About 700 farmers, including nearly 250 farm women, from Kaithal, Karnal, Jind and Bhiwani districts were present. Free analysis of about 125 soil and water samples, exhibition of improved agricultural technologies, sale of seeds of salt tolerant wheat (KRl-210 and KRL-213) and mustard varieties (CS-56 and CS-58) and farmer-scientist interaction workshop were the main attractions of this Mela. A quiz competition was also organized for the women present. Experts in the concerned fields exhorted the farmers for sustainable natural resource management, crop diversification with low water requiring crops, management of rice residues, integrated pest and disease management and biodiversity conservation. Chief Guest of the function Dr. Ramesh Yadav, Chairman, Haryana Kisan Aayog encouraged the farmers for agro-biodiversity conservation and organic farming using the home grown inputs. He said that empowerment of farm women is a prerequisite to achieving the Prime Ministers' goal of doubling the farm incomes by 2022. Dr. S. K. Chaudhari, ADG (SWM), ICAR who was guest of honour for this event, said that enthusiastic participation of women in the Mela points to the fact that they shoulder an equal responsibility in the farm management. He informed about recent initiatives such as Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana and Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana for the sustainable agricultural development. Dr. P. C. Sharma, Director, ICAR-CSSRI, Karnal said that problems of high soil pH and alkali water are common in this area and farmers may benefit by adopting technologies such as gypsum package and salt tolerant varieties developed by the Institute. He requested the farmers for regular testing of soil and irrigation water for the preparation of Soil Health Cards for balanced fertilizer management. A total 0f 20 progressive farm women and men were also felicitated on this occasion. Dr. Ranjay K. Singh, Nodal Officer of Mahila Kisan Mela, proposed the vote of thanks.

Dr Ramesh Kumar Yadav, Chairman Haryana Kisan Ayog addressing the men and women farmers